

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जबलपुर को दी विकास की अनेक सौगातें

जबलपुर बनेगा मेट्रोपॉलिटन सिटी मेडिकल विश्वविद्यालय होगा विकसित

जबलपुर को शिक्षा, उद्योग और पर्यटन का अग्रणी शहर बनाएंगे: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सेवा, सुशासन और जनकल्याण का नया अध्याय लिख रहा है तथा मध्यप्रदेश सरकार उसी संकल्प को धरातल पर उतारते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि निःशुल्क राशन, पक्के आवास, हर घर नल से जल, शौचालय, आयुष्मान भारत योजना, स्वरोजगार और स्ट्रीट वेंडर्स को ऋण जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जबलपुर में घंटाघर स्थित गीता भवन में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह भी कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ मौजूद थे। उन्होंने यहां 362.31 करोड़ रुपये की लागत से तैयार 'अमृत 1.0' सीवेज परियोजना और कठौदा, ललपुर व तेवर में बने तीन बड़े सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का लोकार्पण किया। सिविल लाइन में आधुनिक सुविधाओं से लैस मॉडर्न लॉन्ड्री की सौगात दी। वहीं, गुरंदी में 2.5 करोड़ रुपये की लागत से बने नए पक्के मत्स्य विक्रय केन्द्र का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में जबलपुर के समग्र विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की। उन्होंने कहा कि संस्कारधानी जबलपुर वीरंगना रानी दुर्गावती के शौर्य, मां नर्मदा के आशीर्वाद और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि जबलपुर को मेट्रोपॉलिटन सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को एक वर्ष के भीतर इसका विस्तृत प्रारूप तैयार करने के निर्देश दिए। डॉ. यादव ने कहा कि जबलपुर स्थित मेडिकल विश्वविद्यालय को भविष्य में एम्स की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे महाकौशल क्षेत्र को विश्वस्तरीय चिकित्सा शिक्षा एवं स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त होंगी। पर्यटन और वन्यजीव संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मदन महल क्षेत्र में आधुनिक प्राणी उद्यान (जू) एवं रेस्क्यू सेंटर विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही जबलपुर में फर्नीचर क्लस्टर स्थापित कर स्थानीय कारीगरों को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिले के विधानसभा क्षेत्रों में भी भूमि उपलब्ध होने पर ऐसे विद्यालय स्थापित करने की घोषणा भी मंच से की। मुख्यमंत्री ने जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय की स्थापना तथा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी भूमि उपलब्ध होने पर ऐसे विद्यालय स्थापित करने की घोषणा की।



11 लाख पौधों के वृक्षारोपण अभियान

मुख्यमंत्री ने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए जबलपुर में 11 लाख पौधों के वृक्षारोपण अभियान को महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि आधुनिक सघन वृक्षारोपण पद्धति (मियावाकी) से कम भूमि पर अधिक पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे कम समय में हरित क्षेत्र का विस्तार होगा और जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश का ऐसा राज्य है, जहां मां नर्मदा सहित अनेक जीवनदायिनी नदियों का उद्गम होता है, इसलिए जल, जंगल और पर्यावरण का संरक्षण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

नई ऊंचाइयों को छू रहा जबलपुर : महापौर

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर जगत बहादुर सिंह 'अन्नू' ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व, मार्गदर्शन और विजन के अनुरूप जबलपुर में विकास कार्यों को तेजी से अमलीजामा पहनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अमृत योजना के अंतर्गत सीवेज नेटवर्क, हर घर नर्मदा जल पहुंचाने सहित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का सफल क्रियान्वयन हुआ है, जिनका लोकार्पण मुख्यमंत्री के करकमलों से होना शहर के लिए गौरव का विषय है।

जबलपुर विकास का नया मॉडल : सांसद

सांसद आशीष दुबे ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को प्रदेश में धरातल पर उतारने का कार्य मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कर रहे हैं, जिसका प्रत्यक्ष लाभ जबलपुर सहित पूरे प्रदेश को मिल रहा है। सांसद श्री दुबे ने कहा कि अमृत फेस-1 परियोजना के लोकार्पण से जबलपुर को आधुनिक शहरी सुविधाओं का नया स्वरूप मिला है। इसके साथ ही रजक समाज के लिए सर्वसुविधायुक्त लॉन्ड्री परिसर तथा अत्याधुनिक मत्स्य विक्रय केंद्र का निर्माण मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच और सभी वर्गों के समावेशी विकास के संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से समाज के विभिन्न वर्गों को बेहतर सुविधाएं और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

सुशासन का नया अध्याय लिख रहा है मध्यप्रदेश : विधायक

कार्यक्रम को विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश विकास, सुशासन और जनकल्याण के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। मुख्यमंत्री ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) और फायर सेफ्टी एक्ट जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लेकर प्रदेश में नई मिसाल कायम की है। फायर सेफ्टी एक्ट लागू होने से व्यापारी वर्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विधायक डॉ. पांडे ने मुख्यमंत्री से शिक्षा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए जबलपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र में सांदीपनि विद्यालय स्वीकृत करने का आग्रह किया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में राज्यसभा सदस्य श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक सुशील कुमार तिवारी इंदु, विधायक नीरज सिंह, विधायक संतोष वरकड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री विनोद गोंटिया, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा के निष्ठांगजन प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष संदीप रजक, भाजपा के नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, भाजपा के जिला (ग्रामीण) अध्यक्ष राजकुमार पटेल, संदीप रजक सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने डुमना नेचर पार्क से शुरू किया ‘कैच द रेन’ अभियान, शहर में लगेंगे 11 लाख पौधे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को डुमना नेचर पार्क से प्रदेशव्यापी 'कैच द रेन' अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने वर्षा जल संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए नगर निगम के मियावाकी पद्धति से 11 लाख पौधारोपण महाअभियान की भी शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत बरगद, पीपल और नीम के पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जल और प्रकृति का संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। वर्षा की प्रत्येक बूंद का संरक्षण कर भू-जल स्तर को बेहतर बनाया जा सकता है। उन्होंने मियावाकी पद्धति को वैज्ञानिक एवं प्रभावी तकनीक बताते हुए कहा कि इससे कम समय में घने और आत्मनिर्भर वन विकसित किए जा सकते हैं। इस अवसर पर डुमना नेचर पार्क में वर्षा जल संचयन प्रणाली (रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम) का भी शुभारंभ किया गया। इस प्रणाली के माध्यम से 10 हजार वर्गफुट रूफ एरिया से प्राप्त वर्षा जल को 30 फीट



गहरे रिचार्ज बोर के जरिए भू-जल में पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील कुमार तिवारी इंदु, डॉ. अभिलाष पांडे, नीरज सिंह एवं संतोष वरकड़े, मध्यप्रदेश तीर्थ स्थान एवं मेला प्राधिकरण अध्यक्ष विनोद गोंटिया, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष आशा गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।
क्या है मियावाकी पद्धति- मियावाकी पद्धति जापान के वनस्पति वैज्ञानिक डॉ. अकीरा मियावाकी द्वारा विकसित वृक्षारोपण तकनीक है। इसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधों को सघन रूप से लगाया जाता है, जिससे कम समय में घना एवं प्राकृतिक वन विकसित होता है। यह तकनीक जैव विविधता बढ़ाने, कार्बन अवशोषण और वायु शुद्धिकरण में सहायक मानी जाती है।

बैंक ऑफ बड़ौदा का वैश्विक कारोबार 30.50 लाख करोड़ रुपये के पार

जबलपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 30 जून 2026 को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम घोषित करते हुए मजबूत व्यवसाय वृद्धि और बेहतर आस्ति गुणवत्ता का प्रदर्शन किया है। बैंक का वैश्विक कारोबार 15.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 30,50,457 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान वैश्विक अग्रिमों में 17.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंदोलन में 25.3 प्रतिशत और मॉर्गेज ऋण में 27.4 प्रतिशत की वृद्धि के कारण ऑर्गेनिक रिटेल अग्रिम वर्ष-दर-वर्ष 18.4 प्रतिशत बढ़े। वहीं वैश्विक जमाओं में 13.8 प्रतिशत और घरेलू कासा जमाओं में 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। बैंक की निवल व्याज आय 9.5 प्रतिशत बढ़कर 12,524 करोड़ रुपये रही, जबकि समझौता भुगतान को छोड़कर निवल लाभ 5,528 करोड़ रुपये होता। आस्ति गुणवत्ता में भी सुधार जारी रहा। सकल एनपीए घटकर 1.99 प्रतिशत और निवल एनपीए 0.50 प्रतिशत पर आ गया। 93.28 प्रतिशत के प्रावधान कवरेज अनुपात (पीसीआर) और 16.30 प्रतिशत के पूंजी पर्याप्तता अनुपात के साथ बैंक की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी हुई है।

महाराजपुर में बनेगा नया थाना 28.59 करोड़ की पुलिस परियोजनाओं का किया लोकार्पण



जबलपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को जबलपुर में मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम की लगभग 28 करोड़ 59 लाख रुपये लागत की विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण करते हुए पुलिस व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक-संपन्न बनाने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्रभावी कानून-व्यवस्था और सुशासन के लिए आधुनिक पुलिस व्यवस्था समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर महाराजपुर में नए थाना भवन के निर्माण तथा पुलिस लाइन एवं अन्य इकाइयों में मेस, बैरक और आवश्यक अधोसंरचना विकास के लिए धनराशि उपलब्ध कराने की घोषणा भी की।

कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, राज्यसभा सांसद श्रीमती सुमित्रा वाल्मीकी, लोकसभा सांसद आशीष दुबे, विधायक अशोक रोहाणी, सुशील तिवारी 'इंदु', नीरज सिंह, डॉ. अभिलाष पांडे एवं संतोष वरकड़े, जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती आशा मुकेश गोंटिया, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर तथा भाजपा ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजकुमार पटेल मंचासीन रहे।



तिलवारा थाना भवन का हुआ लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घमापुर थाना परिसर में मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत 22 करोड़ 57 लाख 92 हजार रुपये की लागत से निर्मित आरक्षकी एवं प्रधान आरक्षकों के लिए 96 आवास गृह, तिलवारा में मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के 3 करोड़ 21 लाख 80 हजार रुपये की लागत से बने संगमरीय कार्यालय भवन तथा 2 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक तिलवारा थाना भवन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व्यापक व्यवस्था और पुलिस प्रणाली में व्यापक सुधार हुए हैं। प्रदेश के 1117 थानों और 692 वरिष्ठ कार्यालयों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है। त्वरित और वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए पुलिसकर्मियों को 25 हजार टैबलेट उपलब्ध कराए गए हैं। ई-समर्स, ई-साक्ष्य पोर्टल, एनसीआरपी, 1930 हेल्पलाइन और ई-जीरो एफआईआर जैसी व्यवस्थाओं से पुलिस सेवाएं अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनी हैं।



मजबूत कानून-व्यवस्था से विकास को मिलेगी गति

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा कि किसी भी राज्य के विकास की मजबूत नींव प्रभावी कानून-व्यवस्था होती है। आधुनिक थाना भवन और बेहतर अधोसंरचना पुलिस की कार्यक्षमता बढ़ाने के साथ जनता का विश्वास भी मजबूत करते हैं। उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बदलती तकनीक के अनुरूप अपराध नियंत्रण और जन्मसेवा को अधिक प्रभावी बनाने का आह्वान किया।

564 पुलिस आवास तथा दो नए थाना कार्य प्रगति पर

विशेष पुलिस महानिरीक्षक एवं मध्यप्रदेश पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम के प्रबंध संचालक अनंत कुमार सिंह ने बताया कि जबलपुर जिले में वर्तमान में लगभग 115 करोड़ रुपये की लागत से 564 पुलिस आवास तथा दो नए थाना भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि निगम अब तक प्रदेश में 40 हजार से अधिक पुलिस आवास और दो हजार से अधिक प्रशासनिक भवनों का निर्माण कर चुका है। कार्यक्रम के अंत में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने स्मृति स्वरूप वीरंगना रानी दुर्गावती की प्रतिमा भेंट की। कार्यक्रम का शुभारंभ छठवीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल के बंड दल द्वारा वंदे मातरम की धुन और दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा समापन जन-गण-मन की धुन के साथ हुआ। कार्यक्रम में आईजी प्रमोद वर्मा, डीआईजी अतुल सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह तथा पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे।



शिलपुरी में दर्दनाक हादसा: नाले में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत, गांव में पसरा मातम

बरला। थाना क्षेत्र के ग्राम शिलपुरी में शनिवार को एक हृदयविदारक हादसे में दो मासूम बच्चों की पानी में डूबने से मौत हो गई। आंगनवाड़ी से छुट्टी के बाद नहाने गए पांच-छह वर्षीय दो बच्चे गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी जान चली गई। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आंगनवाड़ी स्कूल की छुट्टी के बाद दोनों बच्चे अपने साथियों के साथ गांव के पास स्थित नाले में नहाने पहुंचे थे। दोपहर करीब 2 बजे नहाने के दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूब गए। काफी देर तक बच्चों के घर नहीं लौटने पर ग्रामीणों ने उनकी तलाश शुरू की। बाद में नाले में डूबने की जानकारी मिलने पर परिजनों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही बरेला थाना पुलिस और परिजन मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों की मदद से रेस्क्यू अभियान चलाकर दोनों बच्चों को पानी से बाहर निकाला गया और अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान साहिल परस्ते (पिता सुकराम, उम्र करीब 6 वर्ष) और रोमिक पट्टा (पिता रोहन, उम्र करीब 5 वर्ष) के रूप में हुई है। हादसे के बाद दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बरेला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाया जा रहा है कि हादसा किन परिस्थितियों में हुआ। घटना ने एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा और जल स्रोतों के आसपास सतर्कता की जरूरत को उजागर कर दिया है।

मंडला के उद्यान अधिकारी की मौत के मामले में निरस्त कर दिया हाई कोर्ट का फैसला

सेवानिवृत्ति के आधार पर मुआवजा घटाना सुप्रीम कोर्ट को मंजूर नहीं

सड़क दुर्घटना में आय का मूल आधार खोने वाले परिवार को 72.06 लाख रुपये क्षतिपूर्ति

जबलपुर। सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वाले मंडला जिले के मोहगांव निवासी उद्यान अधिकारी विश्राम सिंह के परिवार को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने सेवानिवृत्ति के आधार पर क्षतिपूर्ति राशि घटाने को उचित नहीं माना। कोर्ट ने मप्र हाईकोर्ट, जबलपुर के 10 जुलाई 2024 के फैसले को निरस्त करते हुए हाई कोर्ट द्वारा गणना की गई 72 लाख 6 हजार 186 रुपये की पूरी क्षतिपूर्ति राशि पीड़ित परिवार को देने का आदेश दिया है। इस राशि पर दावा याचिका दायर करने की तारीख से ब्याज भी देय होगा।

यह मामला सात मार्च 2018 का है। विश्राम सिंह मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी एमपी-09-एफए-1431 नंबर के वाहन ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें ठक्कर मार दी। गंभीर चोटों के बाद



मुआवजे की राशि :

- एमएसीटी : 36.59 लाख रुपये

- हाई कोर्ट : 52.16 लाख रुपये

- सुप्रीम कोर्ट : 72.06 लाख रुपये

- ब्याज सहित : लगभग एक करोड़ रुपये

उनकी मृत्यु हो गई। दुर्घटना में वाहन की संपत्तता, बीमा, चालक की लापरवाही और मृत्यु के तथ्य विवादित नहीं रहे।

याचिकाकर्ता सुशीला धुवे सहित अन्य अपीलार्थियों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता अश्वत श्रीवास्तव ने पेरवी की। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण में अधिवक्ता विनोद मिश्रा, विवेक चौधरी, योगेश गुप्ता व हाई कोर्ट में गोपाल शर्मा और प्रदीप परसाई ने पीड़ित परिवार की ओर से पक्ष रखा। सभी चरणों में क्षतिपूर्ति कम आंके जाने को अनुचित करार दिया गया।

पहले 36.59 लाख, हाई कोर्ट ने 52.16 लाख किया

मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, एमएसीटी, जबलपुर ने परिवार को 36 लाख 59 हजार 839 रुपये क्षतिपूर्ति दी थी। बीमा कंपनी की अपील पर हाई कोर्ट ने गणना करते हुए क्षतिपूर्ति 72 लाख 6 हजार 186 रुपये निर्धारित की, लेकिन पारिवारिक पेंशन को आय में शामिल करते हुए नौ का मल्टीप्लायर और बिना भविष्य की संभावनाओं के आधार पर राशि 52 लाख 16 हजार 377 रुपये तक सीमित कर दी।

मौत को दावत दे रहा

तिलवारा का पुराना पुल

रील और सेल्फी के लिए जान जोखिम में डाल रहे लोग

जबलपुर। जबलपुर में बारिश के साथ नर्मदा का जलस्तर बढ़ने लगा है। तिलवाराघाट का पुराना छोटा पुल पानी में समाने लगा है, लेकिन खतरे के बावजूद यहां लोगों की आवाजाही और रील-सेल्फी का सिलसिला जारी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि मौके पर न तो पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था दिखाई दे रही है और न ही लोगों को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी।बारिश के मौसम में तिलवाराघाट का पुराना छोटा पुल हर साल खतरे का केंद्र बन जाता है। जैसे-जैसे नर्मदा का जलस्तर बढ़ता है, पुल का बड़ा हिस्सा पानी में डूबने लगता है। इसके बावजूद लोग सुरक्षा अवरोध पार कर पुल तक पहुंच रहे हैं और उफनती नदी के बीच रील बनाने व सेल्फी लेने का जोखिम उठा रहे हैं।विडंबना यह है कि पूर्व में रील बनाने के दौरान दो युवकों की जान जा चुकी है, फिर भी हालात में कोई खास बदलाव नहीं दिख रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि बारिश के मौसम में यहां सुरक्षा व्यवस्था केवल कामजो तक सीमित नजर आती है। ग्वारीघाट, तिलवाराघाट, भेड़ाघाट और बरगी जैसे नर्मदा तटों पर इन दिनों बड़ी संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। कई लोग चेतावनी के बावजूद तेज बहाव वाले इलाकों में उतर जाते हैं, जिससे हादसों का खतरा लगातार बना हुआ है।

निःशुल्क श्रवण जांच शिविर में

100 से अधिक हितग्राही लाभान्वित



जबलपुर। स्व. डॉ. कैलाश नाथ मेहरा की प्रथम पुण्यतिथि पर वाणी स्पीच एंड हियरिंग क्लिनिक प्रा. लि. द्वारा आयोजित दो दिवसीय निःशुल्क श्रवण क्षमता जांच एवं परामर्श शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के पहले दिन 100 से अधिक शिशु, बच्चों, वयस्कों एवं बुजुर्गों को श्रवण क्षमता की जांच कर उन्हें आवश्यक परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया गया। शिविर का समापन 2 अगस्त को होगा।

क्लिनिक की डायरेक्टर डॉ. सोनल मेहरा ने बताया कि समय पर श्रवण क्षमता में कमी की पहचान होने से गंभीर समस्याओं से बचा जा सकता है। वहीं चीफ ऑडियोलॉजिस्ट विशाल मेहरा ने बताया कि अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से साउंड प्रूफ चैम्बर



में कारों की वैज्ञानिक जांच कर श्रवण क्षति की पहचान की गई तथा जरूरतमंदों को उपचार, श्रवण पुनर्वास एवं आधुनिक हियरिंग एड्स संबंधी परामर्श दिया गया। शिविर के दौरान जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क श्रवण यंत्र वितरित किए गए, जबकि डिजिटल रिचार्जैबल ब्लूटूथ हियरिंग एड्स एवं हियरिंग एसेसरीज भी रियायती दरों पर उपलब्ध कराई गईं। आयोजन में ऑडियोलॉजिस्ट मेधा साहू, आयुष दुबे, अनुप द्विवेदी, शिवम् जोशी, सियाराम पाल एवं सुमन राज ने श्रवण जांच एवं परामर्श सेवाएं प्रदान कीं। डॉ. सोनल मेहरा ने सभी हितग्राहियों, जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनहितैषी स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने की बात कही।

ग्राम नटवारा को मिली विकास की सौगातें

श्रुति थैरेपी सेंटर एवं डे-केयर लोकार्पित

जबलपुर। शहपुरा क्षेत्र के ग्राम नटवारा में स्व. सेठ मधुसूदन दास मालपानी की स्मृति में श्रुति थैरेपी सेंटर एवं डे-केयर का लोकार्पण राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा के मुख्य अतिथ्य में किया गया। बच्चों की बेहतर देखभाल एवं समय पर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से डे-केयर की स्थापना की गई है। कार्यक्रम में मालपानी परिवार के कृष्ण मालपानी, अर्पिता मालपानी, श्रद्धा मालपानी एवं कमला देवी मालपानी द्वारा ग्राम के विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई। इस अवसर पर महिलाओं को सिलाई मशीन एवं इंडक्शन कुकर, बच्चों को जूते और



एलईडी बल्ब तथा गर्भवती महिलाओं को पोष्टिक आहार किट वितरित की गई। समारोह में पूर्व विधायक विनय

सक्सेना, संजय यादव, बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत

एन.एम.जे. ट्रस्ट की ट्रस्टी श्रद्धा मालपानी ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन प्रवीण सिंह ने किया।

दो माह से फेफड़े में फंसा पेन का कैप ब्रोंकोस्कोपी से निकाला, 11 वर्षीय बच्ची को मिली नई जिंदगी



जबलपुर। रीवा की 11 वर्षीय बच्ची के फेफड़े में पिछले दो महीने से फंसे पेन के कैप को अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स, जबलपुर में जटिल रिजिड ब्रोंकोस्कोपी के जरिए सफलतापूर्वक निकाल लिया गया। समय पर हुए उपचार से बच्ची के फेफड़े को गंभीर संक्रमण और संभावित क्षति से बचाया जा सका।

बच्ची लगातार खांसी, तेज बुखार और बार-बार निमोनिया से पीड़ित थी। जांच में पता चला कि दो महीने पहले सांस के रास्ते गया पेन का कैप बाएं फेफड़े के निचले हिस्से में फंस गया था, जिसके कारण बड़ी मात्रा में पस जमा हो गई थी। इसके बाद उसे अपोलो जेबीपी हॉस्पिटल्स रेफर किया गया। अस्पताल के सीनियर कंसल्टेंट पल्मोनोलॉजी, क्रिटिकल केयर एवं स्लीप मेडिसिन डॉ. अम्बरीश जोशी ने बताया कि लंबे समय तक विदेशी वस्तु फंसे रहने से प्रक्रिया बेहद चुनौतीपूर्ण थी। पहले फेफड़े में जमा पस को निकाला गया और फिर विशेष तकनीकों से पेन का कैप सुरक्षित रूप से बाहर निकाल लिया गया। उपचार के बाद बच्ची की स्थिति स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही है। इस जटिल प्रक्रिया में एनेस्थीसिया एवं ऑपरेशन थिएटर टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। डॉ. जोशी ने डॉ. बर्नाडेट, डॉ. अविष्पा, डॉ. मिलिंद, डॉ. सुमित तथा ओटी टीम के सहयोग की सराहना की। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि यदि किसी बच्चे के सांस की नली में कोई वस्तु चली जाए या लगातार खांसी, बार-बार निमोनिया अथवा सांस लेने में तकलीफ हो तो तुरंत विशेषज्ञ चिकित्सक से संपर्क करें, क्योंकि समय पर ब्रोंकोस्कोपी जैसी आधुनिक प्रक्रिया गंभीर जटिलताओं से बचा सकती है।



सेंट एलॉयसियस रिमझा में शपथ ग्रहण के साथ रजत जयंती समारोह का शुभारंभ

जबलपुर।

सेंट एलॉयसियस सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रिमझा में शपथ ग्रहण समारोह के साथ विद्यालय के रजत जयंती वर्ष का शुभारंभ उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि बिशप डॉ. जे.जी. वल्लन अरासु रहे, जबकि बिशप एमेरिटस जेराल्ड अल्मेडा एवं फादर जॉर्ज पी.ए. विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य फादर सोमी जैकब, उप-प्राचार्य रचना आहुजा एवं कार्यक्रम प्रभारी रोनाल्ड नारायण मौजूद रहे। दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नेतृत्व, अनुशासन और टीम भावना का संदेश दिया। शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए श्रद्धा नेमा ने स्कूल कैप्टन, नंदिरा पांडेय ने वाइस कैप्टन तथा अनन्या कोटा ने स्पोर्ट्स कैप्टन के रूप में शपथ ग्रहण की। अतिथियों ने छात्र-नेताओं को बैज एवं विद्यालय ध्वज प्रदान कर उनके दायित्व सौंपे। इस अवसर पर विद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'ईन्क्वैस्ट 2026-27' का विमोचन भी किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्र-नेताओं को सत्यनिष्ठा, समर्पण और सेवा-भाव से दायित्व निभाने की प्रेरणा दी, जबकि प्राचार्य फादर सोमी जैकब ने नव-निर्वाचित परिषद को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के आदर्शों का प्रतिनिधित्व करने का आह्वान किया। उत्साह और प्रेरणा से ओतप्रोत यह समारोह विद्यालय के रजत जयंती वर्ष की गौरवपूर्ण शुरुआत बना।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित

जबलपुर।

ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा की प्रदेश महिला कार्यकारिणी घोषित की गई जिसमें मीरा दुबे को प्रदेश अध्यक्ष एवं रेणुका तिवारी को महासचिव नियुक्त किया गया, दोनों पदाधिकारी ने मिलकर अपनी नई कार्यकारिणी घोषित की जिसमें वरिष्ठ उपाध्यक्ष मिथिलेश तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष वसिंता मालवीय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुजिति बाजपेई, वरिष्ठ उपाध्यक्ष ममता उपाध्याय, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनेला दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बबिता शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कल्पना तिवारी, उपाध्यक्ष रजनीका तिवारी, उपाध्यक्ष सोनू पांडे, उपाध्यक्ष संगीता तिवारी, उपाध्यक्ष नंदा शर्मा, उपाध्यक्ष विभा पाठक, उपाध्यक्ष रागिनी तिवारी, उपाध्यक्ष ज्योति उपाध्याय, कोषाध्यक्ष सुनीता तिवारी, सह कोषाध्यक्ष राखिनी पुष्कराज तिवारी, सह सचिव कौंति तिवारी, मीडिया प्रभारी कल्पना शुक्ला, सह मीडिया प्रभारी निधि दुबे, मंत्री जया मिश्रा, मंत्री कविता पाठक, मंत्री मधु चौबे, संगठन मंत्री संगीता रिशारिया, सह संगठनमंत्री गौता दुबे, सहसंगठन मंत्री पंचजा शुक्ला, सहसंगठन मंत्री नीलम अवस्थी, प्रचार मंत्री नीता पांडे, सह प्रचार मंत्री रश्मि तिवारी, सहप्रचार मंत्री अनंता शुक्ला, कार्यकारिणी सदस्य चंद्रा दीक्षित, शोभा उपाध्याय, मीनका पांडे, नेहा पांडे, शिवानी रिशारिया, साक्षी दुबे, पद्मात्मिका तिवारी, आमा तिवारी, अलका पाण्डे एवं साधना तिवारी का चयन किया गया।



प्राचीन शिव मंदिर की ऐतिहासिकता पर एएसआई करेगी सर्वे, न्यायालय ने मांगी रिपोर्ट

जबलपुर।

रामपुर चौक स्थित डेलीमा कम्पाउंड के प्राचीन भगवान शिव मंदिर एवं उससे जुड़ी भूमि विवाद मामले में व्यवहार न्यायालय, जबलपुर ने महत्वपूर्ण अंतरिम आदेश पारित किया है। न्यायालय ने कलेक्टर, जबलपुर को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) अथवा अन्य सक्षम शासकीय विभाग से मंदिर एवं विवादित स्थल का सर्वेक्षण कराकर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

'उषा डेलीमा बनाम अंजू भागव एवं अन्य' प्रकरण में न्यायालय के समक्ष विवादित भूमि के सर्वे क्रमांक 278/1, 278/2, 278/3 एवं 278/4 से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत किए गए। न्यायालय ने माना कि मंदिर की प्राचीनता, ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और पुरातात्विक महत्व का निर्धारण विशेषज्ञ संस्था द्वारा कराया जाना आवश्यक है, ताकि मामले का निष्पक्ष एवं साक्ष्य-आधारित निराकरण हो सके। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण के दौरान सभी पक्षकार मौके पर उपस्थित रहेंगे, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनी रहे। प्रतिवादी अंजू भागव की ओर से विशेषज्ञ एजेंसी से वैज्ञानिक सर्वेक्षण कराने का आग्रह किया गया था। मामले में पुनरीक्षणकर्ता की ओर से अधिवक्ता शांतनु आयाची एवं आदर्श हीरा ने पक्ष रखा। अब एएसआई अथवा संबंधित विभाग की रिपोर्ट के आधार पर मामले की आगामी न्यायिक सुनवाई होगी।

श्री अन्नू सिंह सैयाम- हाउबाग रोड गौरखपुर निवासी श्री राम सिंह सैयाम के पुत्र श्री अन्नू सिंह सैयाम (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती कमला ब्यौहार- ब्यौहारबाग नेहरू वार्ड निवासी श्री शिव चरण ब्यौहार की धर्मपत्नी श्रीमती कमला ब्यौहार (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री राजेंद्र नाथ तिवारी- शिवनगर रमोहनका निवासी श्री राजेंद्र नाथ तिवारी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री अधिनी वर्मा- टेस्टिंग रोड चांदमारी लालमाला निवासी श्री रमेश कुमार वर्मा के पुत्र श्री अधिनी वर्मा (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री ज्ञान प्रकाश वर्मा- छापर विजयनगर रामपुर निवासी श्री ज्ञान प्रकाश वर्मा (71) का निधन हो



गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राम नरेश चौधरी- बाबा टोला ठक्कर ग्राम निवासी श्री राम नरेश चौधरी (42) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री हरिओम सोंधिया- गोकलपुर इंजीयिरिंग कॉलेज के पास निवासी श्री हरिओम सोंधिया (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती प्रमिला बाई राठौर- संगम कॉलोनी निवासी श्री दैलत सिंह राठौर की धर्मपत्नी श्रीमती प्रमिला बाई राठौर (85) रानीताल शमशान भूमि में किया गया।

श्रीमती लाडो बाई- राम नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री राम छबीला की धर्मपत्नी श्रीमती लाडो बाई (90) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रवि शंकर पाण्डेय- ट्यूलिप अपार्टमेंट गंगासागर निवासी श्री रवि शंकर पाण्डेय (78) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती उर्मिला देवी सिंह- सेठीनगर गुनेश्वर निवासी श्री प्रताप नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती उर्मिला देवी सिंह (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री राजेंद्र अवस्थी- नई बस्ती गौरीघाट निवासी श्री राजेंद्र अवस्थी का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

श्रीमती अंजना शुक्ला- इंद्रा नगर बिलपुरा निवासी श्री कृष्ण कुमार शुक्ला की धर्मपत्नी श्रीमती अंजना शुक्ला (50) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

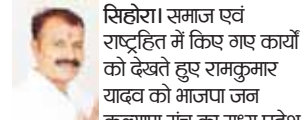
खितौला में श्रद्धा व उल्लास से मनाया गया चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव



सिंहोरा। खितौला में परम पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज की शिष्या एवं आचार्य समय सागर महाराज की आज्ञानुवर्ती शिष्या आर्विका माँ 105 सूत्रमति माताजी संसंध के सान्निध्य में चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया गया।

दी। अपने आशीर्वाचन में सूत्रमति माताजी ने कहा कि चातुर्मास आत्मशुद्धि, स्वाध्याय, संयम और धर्म आराधना का श्रेष्ठ अवसर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से चार माह के इस पावन काल का सदुपयोग कर धर्म साधना एवं आत्मकल्याण के मार्ग पर अग्रसर होने का आह्वान किया।

रामकुमार यादव बने माजपा जन कल्याण मंच के प्रदेश अध्यक्ष



प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक दर्शन आर. शाह द्वारा की गई है। नियुक्ति 30 जुलाई 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू होगी और 30 जुलाई 2027 तक प्रभावी रहेगी।

नाम परिवर्तन	
मैं तुलसा बाई पति श्री शरद उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम मटामर खम्हरिया पो. सोनपुर ,तहसील पनागर जिला जबलपुर म.प्र. शायद पूर्वक निम्न कथन करती हूँ। कि मैं उपरोक्त पते पर निवास करती हूँ मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम तुलसा TULASA दर्ज हो गया है जो कि गलती से त्रुटियश दर्ज हुआ है। मेरे अन्य दस्तावेजों में नाम तुलसा बाई TULASA BAI है अतः मेरे उक्त दस्तावेजों जैसे सम्पत आई , निवास प्रमाण पत्र में यही दर्ज है मैं अपना नाम सुधार हेतु शायद पत्र पेश कर रही हूँ	
गलत नाम	TULASA
सही नाम	TULASA BAI



नेटफिलक्स की सीरीज ‘चुंबक’ देने आ रही हंसी की डोज...

मुंबई। नेटफिलक्स ने साल की शुरुआत में अपने पारिवारिक कॉमेडी ड्रामा ‘चुंबक’ का ऐलान किया था। आतिश कपाड़िया द्वारा लिखित और निर्देशित इस सीरीज का निर्माण जमनादास मजीठिया और आतिश कपाड़िया ने अपने बैनर हैट्स ऑफ प्रोडक्शंस के तहत किया है। इसमें दिग्गज अभिनेत्री

नीना गुप्ता, देवेन भोजानी, अमायरा दस्तूर, अर्जुन बिजलानी, अनंत वी जोशी और हेली शाह समेत कई कलाकार मौजूद हैं। ‘चुंबक’ की कहानी मुंबई के एक पुराने रो-हाउस में रहने वाले 5 अलग-अलग परिवारों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अप्रत्याशित हालातों में फँसकर एक परिवार बन जाते हैं।

लाइफ Style

फिल्म इंडस्ट्री में शूटिंग के दौरान कलाकारों के चोटिल होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। हाल ही में जूनियर एनटीआर, राम चरण और बालकृष्णा के घायल होने के बाद अब रश्मिका मंदाना के चोटिल होने की खबर सामने आ रही है।

रश्मिका

हुई चोटिल, 6 हफ्ते के लिए बेड रेस्ट पर गई

एजेंसी ►► मुंबई

अपनी आगामी फिल्म के सेट पर वो एक गंभीर हादसे का शिकार हो गईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने उन्हें काम से ब्रेक लेकर पूरी तरह आराम करने की सलाह दी है। इस खबर से फैंस काफी चिंतित हैं। रश्मिका फिल्म ‘मैसा’ के सबसे खास और मुख्य डांस सीक्वेंस के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रही थीं। हैदराबाद में पिछले कुछ दिनों से एक मशहूर कोरियोग्राफर की देखरेख में इस गाने का रिवर्सल चल रहा था। हालांकि, 31 जुलाई को डांस प्रैक्टिस के दौरान पैर फिसलने की वजह से उनके कूल्हे में गंभीर चोट लग गई। कूल्हे की हड्डी फ्रैक्चर होने के कारण वो मोके पर ही हिलने-डुलने में असमर्थ हो गईं। इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में एक्स-रे और स्कैन के बाद डॉक्टरों ने रश्मिका की चोट को काफी गंभीर बताया है। उनकी पीआर टीम के मुताबिक, जांच की मांसपेशी को हड्डी से जोड़ने वाली नस (टेंडन) खिंचकर पूरी तरह अलग हो गई है। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी चोटें आमतौर पर खिलाड़ियों को ही लगती हैं। इसे ठीक करने के लिए रश्मिका को कम से कम 6 हफ्ते का बेड रेस्ट, फिजियोथेरेपी और थेरेपी की सख्त जरूरत है।



हॉलीवुड मसाला

हॉलीवुड में खुद को दी सबसे बड़ी चुनौती

लॉस एंजिल्स। दिशा पटानी ने ‘हॉलिंगाइट्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स’ से अपना हॉलीवुड सफर शुरू किया है। उन्होंने बताया कि यह अनुभव उन्हें उनके कॉफर्ट जोन से बाहर ले गया और उन्हें एक अभिनेता के रूप में बढ़ने का मौका मिला। कई ऑडिशन के बाद, उन्हें यह भूमिका पाकर बहुत खुशी हुई और उन्होंने अपना पूरा ध्यान इस पर लगाया। अंतर्राष्ट्रीय कास्ट के साथ काम करके खुश हैं दिशा पटानी- अंतर्राष्ट्रीय कास्ट और कू के साथ काम करना दिशा के लिए एक बिल्कुल नया अहसास था।



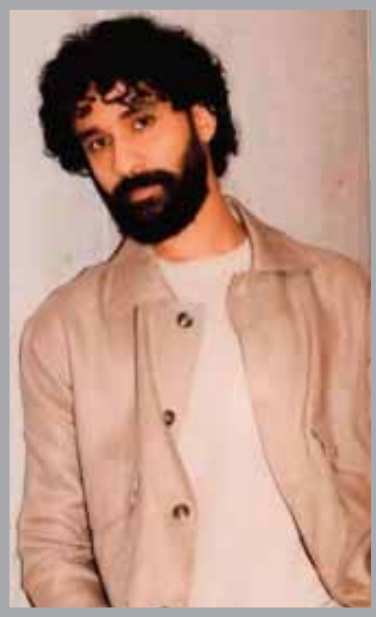
‘स्पाइडर-मैन’ को अलविदा कहेंगे टॉम हॉलैंड...

लॉस एंजिल्स। मार्वल की फिल्म ‘स्पाइडर-मैन: बांड न्यू डे’ के जरिए टॉम हॉलैंड ने ‘पीटर पार्कर’ के रूप में वापसी की है। हाल ही में, उन्होंने बताया कि ‘स्पाइडर-मैन’ के भविष्य के लिए मार्वल स्टूडियोज और सोनी पिक्चर्स के पास उनके किरदार की विदाई को लेकर पहले से योजना तैयार है। अभिनेता ने खुशी जताई कि उनकी जगह भविष्य में कोई और ‘स्पाइडर-मैन’ के किरदार को आगे लेकर जाएगा। टॉम ने यह भी बताया कि वह किसी इस किरदार में देखना चाहेंगे। हैप्पी रेट्स कन्फ्यूज्ड पॉइकास्ट से बातचीत में, टॉम ने कहा, स्पाइडर-मैन: नो वे होम की शूटिंग खत्म होने के बाद से ही हम एक पूरी योजना पर काम कर रहे हैं। यह योजना तैयार है। इसमें कुछ बदलाव जरूर होंगे, लेकिन कमान सौंपने को लेकर मेरा नजरिया बिल्कुल स्पष्ट है।



सीता के रूप में नजर आई कंगना...

मुंबई। नमित मल्होत्रा की पौराणिक फिल्म ‘रामायण’ का ट्रेलर 30 जुलाई को रिलीज किया गया था। फिल्म में साई पल्लवी ‘माता सीता’ के किरदार में हैं। उनके लुक को सोशल मीडिया पर खूब प्यार मिल रहा है। इस बीच, अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने बचपन की कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिसमें वह स्कूल के दौरान ‘सीता’ के किरदार में दिखाई दे रही हैं। इस तस्वीर के साथ-साथ उनका कैप्शन लोगों का ध्यान खींच रहा है। तस्वीर में सीता के रूप में नजर आई कंगना कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 2 तस्वीरें साझा की हैं। एक तस्वीर में उन्हें लाल रंग की साड़ी पहने ‘माता सीता’ के अवतार में देखा जा सकता है। वह एक हाथ से आशीर्वाद वाली मुद्रा बनाए हुए हैं।



किंग में विलेन बनकर टक्कर देंगे राघव

मुंबई। शाहरुख खान की फिल्म ‘किंग’ इस साल क्रिसमस पर तहलका मचाने आ रही है। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बनी रही इस एक्शन थ्रिलर में राघव जुयाल भी मौजूद हैं, जिन्हें लेकर कहा जा रहा था कि वह इसमें युवा विलेन के किरदार में नजर आएंगे। हालांकि, अपनी हालिया रिलीज फिल्म ‘भाई तेरा स्टार है’ के प्रमोशन के दौरान राघव ने इन चर्चाओं पर चुपची तोड़ी। उन्होंने बताया कि फिल्म को अंनोखे तरीके से फिल्माया जा रहा है। ‘किंग’ में सुहाना खान, दीपिका पादुकोण, अभिषेक बच्चन, रानी मुखर्जी, जयदीप अहलावत, अनिल कपूर, अरशद वारसी और अभय वर्मा जैसे कलाकार भी शामिल हैं। ये 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। जब राघव से ‘किंग’ में विलेन का किरदार निभाने की अफवाहों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, ये बिल्कुल, सा झूठ बोल रहे हैं।

फिल्मी मसाला



रामानंद सागर की ‘रामायण’ में जुगाड़ से बनाई ज्वेलरी

मुंबई। निवेश तिवारी और नमित मल्होत्रा की रामायण को लेकर दर्शकों के बीच जबरदस्त बज बना हुआ है। चार हजार करोड़ के भारी-भरकम बजट में बनी इस फिल्म की रामानंद सागर की ‘रामायण’ से तुलना हो रही है जिसकी मेकअप को शायद उम्मीद भी रही होगी। रामानंद सागर ने अपनी ‘रामायण’ से इस महाकाव्य को टीवी पर कुछ ऐसे पेश किया जिसकी आज तक कोई बराबरी नहीं कर पाया है। अब भले ही निवेश तिवारी की रामायण 4000 करोड़ के बजट में बनी है, लेकिन रामानंद सागर ने महज 8-9 करोड़ की लागत से 78 एपिसोड्स शूट किए थे। अरुण गोविल, दीपिका चिखलिया, सुनील लहरी स्टारर रामानंद सागर की ‘रामायण’ का बजट भले ही सीमित था, लेकिन डायरेक्टर ने इफेक्ट्स, कॉस्ट्यूम और आभूषणों में कोई कमी नहीं छोड़ी थी। उन्होंने जुगाड़ लगा-लगाकर इस सीरियल को भारतीय टेलीविजन के इतिहास में दर्ज करवाया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उन दिनों पैसे का काफी सीमित होते थे जिसके चलते डायरेक्टर ने 8-9 करोड़ की लागत से पूरा सीरियल बनाया था जिसमें पूरी स्टारकास्ट की फीस भी शामिल है।

जुगाड़ से शूट हुई थी ‘रामायण’ : डायरेक्टर ने इस महाकाव्य के लिए खुद ही कास्टिंग की थी। उन्होंने ज्वेलरी और कॉस्ट्यूम बनाने के लिए भी हर मुमकिन जुगाड़ किया। उस दौर में वीएफएक्स वगैरह तो होते नहीं थे, ऐसे में रामानंद सागर ने अगरबत्ती की मद्ध से कोहरे का सौम शूट किया था। वो अगरबत्ती के धुएं से कोहरे वाला इफेक्ट क्रिएट करते थे।

डायरेक्टर ने खुद डिजाइन करवाई थी ड्रेस

रामानंद सागर ने अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट के लिए हर जिम्मा खुद उठाया था। वो कॉस्ट्यूम से लेकर ज्वेलरी तक सबकुछ खुद ही डिजाइन करवाते थे। सीरियल में दीपिका चिखलिया के सीता कॉस्ट्यूम से लेकर अरुण गोविल के राम किरदार के लिए ‘मंगलनाल ड्रेसवाला’ ने कपड़े डिजाइन किए थे। पूरी स्टारकास्ट के कॉस्ट्यूम इन्होंने ही बनवाए थे। इस कंपनी को अब 100 साल से ज्यादा समय हो चुका है।

ज्वेलरी हीराभाई पटेल से कराई थी डिजाइन

रामानंद सागर ने पूरी स्टारट की ज्वेलरी मशहूर आर्ट डायरेक्टर हीराभाई पटेल से डिजाइन करवाई थी। उन्होंने ही ‘रामायण’ के सारे सेट डिजाइन किए थे, जिनमें रावण के अंशुक वाटिका तक शामिल है। वो हर कास्ट की ज्वेलरी अपने हाथों से कागज पर बनाकर उसे पेंट करते थे। इस पूरे प्रोसेस में डायरेक्टर उनके सामने बैठे रहते थे।

‘टॉक्सिक’ में अपनी भूमिका पर की बात, किया बड़ा खुलासा...

मुंबई। कियारा अडवाणी ने बताया है कि आने वाली फिल्म ‘टॉक्सिक: अ फेयरी टेल फॉर गोन-अप्ट’ में नंदिया का उनका किरदार अब तक का सबसे ज्यादा संतुष्टि देने वाला रहा है। इस फिल्म को गौतु मोहदास ने निर्देशित किया है और इसमें यश दोहरी भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म की कहानी और गौतु के नरेशन ने कियारा को तुरंत अपनी ओर खींच लिया। दरअसल, उनके किरदार (नंदिया) में जो गहराई थी, उसी ने कियारा को सबसे ज्यादा प्रभावित किया। कियारा बताती हैं कि गौतु के नरेशन ने उन्हें सममुच मंत्रमुग्ध कर दिया था।

‘टॉक्सिक’ में नंदिया की जटिलताओं को समझना : कियारा ने नंदिया के किरदार को ताकत, कमजोरी, पागलपन और अलगाव का मिला-जुला रूप बताया। उनके मुताबिक, ‘यह ऐसा किरदार था जिसके लिए कोई भी अभिनेता तैयार था’ है। इस किरदार की तैयारी के लिए कियारा ने सबसे पहले नंदिया के जज्बातों को समझा, उसके बाद उन्होंने अपने हाव-भाव और आवाज पर काम किया। कियारा ने अपनी सह-कलाकारों नयनतारा,



हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रश्मिणी वार्ष्णे की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन सभी ने फिल्म के सिनेमैटिक यूनिवर्स में कुछ अंनोखा योगदान दिया है। फिल्म ‘टॉक्सिक’ को वैसे तो कन्नड़ और इंग्लिश में शूट किया गया है, लेकिन यह हिंदी, तमिल, तेलुगु और मलयालम भाषाओं में भी सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

एक बार फिर साथ दिखेंगी ये सुपरहिट जोड़ियां

मुंबई। मोहित सूरी की अगली फिल्म में अहान पांडे और अनीत पट्टा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आएगी। वहीं, इम्टियाज अली की आगामी फिल्म में वेदांग रैना और शरवरी भी दोबारा स्क्रीन साझा करते हुए नजर आएंगे। इन लोकप्रिय जोड़ियों की वापसी ने फैंस की उत्सुकता बढ़ा दी है। ऐसे में आइए जानते हैं बॉलीवुड की उन चर्चित ऑन-स्क्रीन जोड़ियों के बारे में, जो जल्द ही फिर एक साथ नजर आएंगी।

अहान पांडे-अनीत पट्टा

अहान और अनीत ने मोहित की रोमांटिक न्यूजिकल फिल्म ‘सैयरा’ से एक साथ बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी शानदार ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री से दर्शकों का दिल जीत लिया था। फिल्म के भावनात्मक अंदाज और लोकप्रिय गानों ने इसे बड़ी रोमांटिक हिट बना दिया। अब खबर है कि यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर मोहित की अगली रोमांटिक फिल्म में साथ नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग अक्टूबर-नवंबर 2026 में शुरू होने की संभावना है।

शरवरी-वेदांग रैना

इम्टियाज के पीरियड ड्रामा ‘मैं वापस आऊंगा’ में नजर आए शरवरी और वेदांग ने अपने शानदार अभिनय के लिए खूब तारीफें बटोरी थीं। अब फिल्म ‘मैं वापस आऊंगा’ की सफलता के बाद, यह ऑन-स्क्रीन जोड़ी कथित तौर पर इम्टियाज की एक और फिल्म



के लिए फिर से साथ नजर आने वाली है, जिसकी शूटिंग इसी साल नवंबर में शुरू होगी। हालांकि, इसकी रिलीज की तारीख का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

शाहरुख खान-दीपिका पादुकोण

2007 में आई फिल्म ‘ओम शांति ओम’ में शाहरुख खान के साथ डेब्यू करने के बाद से ही दीपिका पादुकोण ने उनके साथ कई रिकॉर्ड तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया, जैसे ‘चेन्नई एक्सप्रेस’, ‘हैप्पी न्यू ईयर’, ‘पठान’ और ‘जवान’। अब वो दोनों जल्द ही फिल्म ‘किंग’ में साथ नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना बॉलीवुड डेब्यू करेंगी।

सनी देओल-प्रीति जिंटा

सनी देओल और प्रीति जिंटा फिल्म ‘द हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई’ और ‘फर्ज’ में साथ नजर आए थे। वहीं अब यह लोकप्रिय जोड़ी एक बार फिर ‘रक्तवाती 1947’ में एक साथ नजर आएंगे। इस फिल्म

का निर्देशन राजकुमार सतोषी कर रहे हैं और इसे अमिर खान निर्मित कर रहे हैं। यह फिल्म लंबे समय बाद सनी और प्रीति की बड़े पर्दे पर वापसी को लेकर चर्चा में है।

फिल्मों व सीरीज में रोमांटिक कॉमेडी से लेकर साइकोलॉजिकल थ्रिलर और सुपरहीरो

सावन के महीने में ओटीटी-थिएटर्स में लगेगा मनोरंजन का मेला

नई दिल्ली। शुक्रवार

मतलब वीकेंड वाली फीलिंग

और काम करने का मन

करना। सिने लवर्स तो आज ही

से प्लान बनाने में लग जाते हैं

कि छुट्टी वाले दिन उन्हें क्या

देखना है। अगर आप भी वीकेंड पर

कहीं न जाने का प्लान कर रहे तो

हम आपके लिए सिनेमाघरों से लेकर

ओटीटी पर रिलीज होने वाली फिल्मों

और सीरीज लेकर आए हैं जिन्हें आप घर

बैठकर मजे से बिज वॉच कर सकते हैं। इस

बार सिनेमा के पिटारे में क्या-क्या है चलिए

जानते हैं।



द डेविल वेयर्स प्राडा 2

पहली फिल्म के लगभग दो दशक बाद, ‘द डेविल वेयर्स प्राडा 2’ दर्शकों को मिरांडा प्रीस्टली से फिर से मिलती है, जो तेजी से बदलती फैशन इंडस्ट्री में अपना रास्ता बना रही हैं। यह सीक्वल बदलती फैशन इंडस्ट्री, कॉर्पोरेट कॉम्पटीशन और बदलते रिश्तों की कहानी है। साथ ही इसमें वही तीखा मजाक, ग्लैमर और वर्कप्लेस ड्रामा भी है जिसने पहली फिल्म को दुनिया भर में इतना लोकप्रिय बनाया था।

रोमांस: माय लाइफ

विद द वॉल्टर बॉयज

आने वाले तीसरे सीजन में, जैकी स्विचर फॉल्स लौटती है। वह अपने रिश्तों को फिर से बनाने और एलेक्स और कोल के लिए अपनी उलझी हुई भावनाओं के बीच साफ सोच पाने के लिए पक्का इरादा कर चुकी है। जब वॉल्टर परिवार नई चुनौतियों का सामना करता है, तो जैकी प्यार, अपनी तरक्की और मुश्किल फैसलों के बीच अपना रास्ता बनाती है और यह भी पता लगाती है कि असल में उसकी जगह कहाँ है। आप इसे 6 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

है जवानी तो इश्क होना है

वरुण धवन, मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े और मनीष पॉल स्टारर यह रोमांटिक कॉमेडी ‘जस’ की कहानी है। उसकी शादी टूट जाती है, लेकिन विदेश में शुरू हुई एक नई लव स्टोरी उसे प्यार, वफादारी और कमिटमेंट के बारे में फिर से सोचने पर मजबूर कर देती है। आप इसे 31 जुलाई, 2026 से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ गई है।

बालन: द बॉय

बालन अपनी मां के साथ एक महिला जेल में बड़ी होता है। उसका बचपन अपनी पहचान बदलते हुए और छिपते-छिपते बीतता है। जब वह अपने अतीत का सच जानने की कोशिश करता है, तो वह दबे हुए राज, खतरनाक खुलासों और भावनात्मक खोजों के ऐसे जाल में फँस जाता है जो उसकी जिंदगी के बारे में उसकी सारी सोच को ही बदल देता है। आप इसे जी० पर देख सकते हैं।

नरू स्वामी

असल जिंदगी की घटनाओं पर आधारित यह इमोशनल तमिल ड्रामा, मुश्किलों, त्याग और हिम्मत के बीच मां और बेटे के मजबूत रिश्ते को दिखाती है। नरू स्वामी 31 जुलाई से जी० पर रिलीज हो चुकी है।

राव बहादुर

यह तेलुगु साइकोलॉजिकल ड्रामा एक ऐसे रहस्य परिवार की कहानी है जिसका रूतबा अब कम हो रहा है। इसमें शक, अविश्वास और छिपे हुए सच की दिखाया गया है, साथ ही मुख्य किरदार अपनी अंदरूनी उलझनों से जूझता है। आप इसे 31 जुलाई से नेटफ्लिक्स पर रिलीज कर दिया गया है।

बदल रही सोने-चांदी की चाल, क्या करें निवेशक

घबराएं नहीं, समझदारी से लें निवेश का फैसला ►► अमेरिकी फेडरल रिजर्व के फैसले से पहले बढ़ी सतर्कता ►► मजबूत डॉलर और वैश्विक दबाव से बुलियन बाजार में गिरावट

{ अलर्ट बिजनेस डेस्क }

सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर तेज उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोना करीब 1.48 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.24 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक फिसल गई। इस गिरावट की प्रमुख वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता, डॉलर की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बुलियन बाजार में आई कमजोरी मानी जा रही है। हालांकि विशेषज्ञ इसे लंबी अवधि के नजरिए से बढ़ी चिंता का विषय नहीं मान रहे हैं। उनका कहना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीद, गोल्ड ईटीएफ में बढ़ते निवेश और एशियाई देशों से मजबूत मांग जैसे कारक अब भी सोने को सहारा दे रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए खतरों की घंटी है या फिर लंबे समय के निवेशकों के लिए बेहतर खरीदारी का अवसर। आने वाले दिनों में फेड के फैसले पर बाजार की अगली दिशा काफी हद तक निर्भर करेगी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह गिरावट निवेशकों के लिए चिंता का विषय है या फिर खरीदारी का अवसर?

एफडी तोड़ें या उसी पर लोन लें? जरूरत के समय लें सही फैसला

{ बिजनेस डेस्क }

बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद विकल्प माना जाता है। सुरक्षित रिटर्न, निश्चित ब्याज और पूंजी की सुरक्षा के कारण लाखों लोग अपनी बचत एफडी में निवेश करते हैं। लेकिन जीवन में कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जब अचानक बड़ी रकम की जरूरत पड़ जाती है। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल होता है कि क्या एफडी को समय से पहले तोड़ दिया जाए या फिर उसी एफडी के बदले बैंक से लोन लिया जाए। वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि इसका कोई एक जवाब सभी पर लागू नहीं होता। सही विकल्प इस बात पर निर्भर करता है कि आपको कितने समय के लिए पैसे चाहिए, कितनी राशि की जरूरत है और आपको लोन चुकाने की क्षमता कैसी है। यदि सही निर्णय लिया जाए तो ब्याज के नुकसान से बचा जा सकता है और निवेश भी सुरक्षित रह सकता है।

एफडी तोड़ने पर क्या होता है?

एफडी एक निश्चित अवधि के लिए किया गया निवेश होता है। यदि इसे मैच्योरिटी से पहले बंद कराया जाता है तो बैंक आमतौर पर तय ब्याज दर का पूरा लाभ नहीं देता। कई बैंक प्री-मैच्योर विड्रॉल पर ब्याज दर कम कर देते हैं और साथ ही पेनाल्टी भी वसूलते हैं। इसका सीधा असर आपके कुल रिटर्न पर पड़ता है। मान लीजिए आपने पांच साल की एफडी कराई है और उसे दो साल बाद ही तोड़ना पड़ जाए। ऐसी स्थिति में बैंक आपको उसी अवधि के हिसाब से ब्याज देगा और उस पर भी जुर्माना काट सकता है। इससे आपकी अनुमानित कमाई कम हो जाती है। हालांकि यदि आपको लंबे समय तक पैसे की जरूरत है और लोन पर चुकाना जाने वाला ब्याज, एफडी तोड़ने से होने वाले नुकसान से अधिक है, तो एफडी बंद करना बेहतर निर्णय हो सकता है। इससे भविष्य में ब्याज का अतिरिक्त बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

10 साल में 1 लाख को 5 लाख से ज्यादा बनाने वाले टॉप म्यूचुअल फंड लंबी अवधि के निवेश में स्मॉल और मिडकैप फंडों ने किया ज्ञानदार प्रदर्शन, रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मददगार

{ निवेश मंत्रा बिजनेस डेस्क }

म्यूचुअल फंड लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक प्रभावी माध्यम माना जाता है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद यदि निवेशक धैर्य बनाए रखें और लंबी अवधि के लिए निवेश करें, तो अच्छे फंड बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं। पिछले 10 वर्षों के प्रदर्शन पर नजर डालें तो कई ऐसी म्यूचुअल फंड योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने निवेशकों के 1 लाख रुपये के एकमुश्त निवेश को 5 लाख रुपये से अधिक में बदल दिया। खास बात यह है कि इन सभी योजनाओं का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम रहा, जिससे निवेशकों पर फंड प्रबंधन की लागत भी कम पड़ी। हालांकि वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी फंड का चयन केवल पिछले रिटर्न के आधार पर नहीं करना चाहिए, बल्कि निवेशकों को अपने वित्तीय लक्ष्य, जोखिम उठाने की क्षमता और निवेश अवधि को भी ध्यान में रखना चाहिए।



गिरावट की सबसे बड़ी वजह

इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति बैठक से पहले बाजार में बढ़ी सतर्कता है। निवेशकों की उम्मीद है कि फेड के ब्याज दरों पर आने वाले फैसले से आने वाले महीनों में सोने और चांदी की दिशा तय होगी। इसके अलावा अमेरिकी डॉलर में मजबूती भी बुलियन बाजार पर दबाव बना रही है। डॉलर इंडेक्स एक महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। चूंकि वैश्विक स्तर पर सोने और चांदी का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के खरीदारों के लिए ये धातुएं महंगी हो जाती हैं।

फेड का फैसला क्यों होता है इतना अहम?

सोना और चांदी ब्याज नहीं देते। इसलिए जब केंद्रीय बैंक ब्याज दरें ऊंची रखते हैं तो निवेशक अधिक रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर आकर्षित होते हैं। इससे बुलियन की मांग घटती है। इसके विपरीत यदि ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है या फेड नरम रुख अपनाता है, तो सोना निवेशकों के लिए फिर आकर्षक बन जाता है। यही वजह है कि पूरी दुनिया के निवेशकों की नजर फेडरल रिजर्व की हर बैठक पर रहती है। बाजार विशेषज्ञों का मानना ​​है कि यदि फेड भविष्य में दरों में कटौती के संकेत देता है तो सोने और चांदी में फिर से तेजी लौट सकती है। वहीं अपेक्षा से अधिक सख्त रुख अपनाने पर कीमतों में कुछ और दबाव देखने को मिल सकता है।



विशेषज्ञ क्या कह रहे

एलकेपी सिक्वोरिटीज के कमोडिटी एवं करेंसी रिसर्च विश्लेषकों का कहना है कि वैश्विक बुलियन बाजार में कमजोरी और भारतीय रुपये की मजबूती ने एमसीएक्स पर सोने की कीमतों को प्रभावित किया है। उनका मानना ​​है कि फिलहाल निवेशक फेड के फैसले का इंतजार कर रहे हैं और उसी के आधार पर बाजार अगली दिशा तय करेगा। कोटक सिक्वोरिटीज के अनुसार डॉलर इंडेक्स में मजबूती के कारण सोने और चांदी दोनों पर दबाव बना हुआ है। हालांकि उनका कहना है कि बाजार में उतार-चढ़ाव फिलहाल वैश्विक घटनाक्रमों पर निर्भर रहेगा।

क्या सोने की तेजी खत्म हुई

विश्लेषकों की राय इससे अलग है। उनका मानना ​​है कि अल्पकालिक गिरावट के बावजूद सोने की लंबी अवधि की तस्वीर अभी भी सकारात्मक बनी हुई है। इसके पीछे कई मजबूत कारण हैं।

- वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता।
- केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार सोने की खरीद।
- गोल्ड ईटीएफ में निवेश का बढ़ना।
- चीन और अन्य एशियाई देशों में मजबूत भौतिक मांग।
- भू-राजनीतिक तनाव की संभावना।
- इन सभी कारणों से सोने को लंबे समय में समर्थन मिलता रह सकता है।

चांदी में उतार-चढ़ाव ज्यादा क्यों

चांदी केवल निवेश धातु नहीं बल्कि औद्योगिक धातु भी है। इसका उपयोग सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और विभिन्न औद्योगिक उत्पादों में तेजी से बढ़ रहा है। इस कारण चांदी की कीमतें सोने की तुलना में अधिक तेजी से ऊपर और नीचे जाती हैं। यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था मजबूत रहती है तो औद्योगिक मांग बढ़ने से चांदी में फिर अच्छी तेजी देखने को मिल सकती है। मौजूदा गिरावट में घबराकर निवेश बेचने की जरूरत नहीं है। यदि आपका निवेश लंबी अवधि का है तो ऐसे उतार-चढ़ाव सामान्य माने जाते हैं।

40 की उम्र में कैसे बनाएं मजबूत म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो

{ बिजनेस डेस्क }

अक्सर माना जाता है कि 40 वर्ष की उम्र के बाद निवेश में जोखिम कम कर देना चाहिए, लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का कहना है कि यह पूरी तरह सही सोच नहीं है। यदि रिटायरमेंट में अभी 15 से 20 वर्ष का समय बाकी है, तो यह लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का अच्छा अवसर है। इस उम्र में सबसे जरूरी है कि निवेश को उम्र के बजाय वित्तीय लक्ष्यों और उनकी समयसीमा के अनुसार व्यवस्थित किया जाए। विशेषज्ञों के अनुसार, 40 वर्ष की उम्र तक अधिकांश लोगों के सामने बच्चों की उच्च शिक्षा, शादी, घर खरीदना और रिटायरमेंट जैसे कई लक्ष्य एक साथ होते हैं। ऐसे में हर लक्ष्य के लिए अलग निवेश रणनीति बनानी चाहिए। अल्पकालिक जरूरतों के लिए सुरक्षित निवेश और लंबी अवधि के लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं।

रिटायरमेंट को दें अलग पहचान

बाजार के जानकारों का कहना है कि रिटायरमेंट को सामान्य निवेश का हिस्सा नहीं, बल्कि एक अलग दीर्घकालिक लक्ष्य मानना ​​चाहिए। जिन लक्ष्यों की अवधि पांच वर्ष या उससे अधिक है, उनमें लगभग 80% निवेश इक्विटी और 20% डेट में रखा जा सकता है। वहीं, दो वर्ष से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए पूरी राशि डेट फंड में रखना अधिक सुरक्षित माना जाता है। उनका कहना है कि सोना भी पोर्टफोलियो में शामिल किया जा सकता है। यह मुद्रास्फीति और आर्थिक अनिश्चितता के समय सुरक्षा कवच का काम करता है। लंबी अवधि के पोर्टफोलियो में डेट हिस्से का एक भाग गोल्ड से बदला जा सकता है।



कितनी हो डेट की हिस्सेदारी

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के सीनियर इन्वेस्टमेंट स्ट्रेटेजिस्ट विभिन्न जॉन के अनुसार, यदि निवेशक को जोखिम उठाने की क्षमता अच्छी है और रिटायरमेंट में अभी लंबा समय है, तो 60 से 80 प्रतिशत तक निवेश इक्विटी आधारित योजनाओं में किया जा सकता है। हालांकि यदि निकट भविष्य में किसी बड़े खर्च की योजना है, तो इक्विटी का अनुपात कम रखना चाहिए।

किन श्रेणियों को दें प्राथमिकता

विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि के निवेश के लिए पोर्टफोलियो में विभिन्न श्रेणियों के फंड शामिल होने चाहिए। इनमें प्रमुख हैं।

- पलेक्सी कैप फंड
- मल्टी कैप फंड
- लार्ज कैप फंड
- मिड कैप फंड
- स्मॉल कैप फंड
- डिविडेंड यील्ड फंड
- फोकरस्ड फंड
- बाजार पूंजीकरण के आधार पर लगभग 50-55% लार्ज कैप, 20-25% मिड कैप और शेष स्मॉल कैप में निवेश रखने की सलाह दी गई है। इससे बाजार के विभिन्न चक्रों में संतुलित रिटर्न मिलने की संभावना रहती है।



निवेशकों के लिए कुछ महत्वपूर्ण सुझाव

- एकमुश्त बड़ी खरीदारी करने के बजाय चरणबद्ध निवेश करें।
- पोर्टफोलियो का सीमित हिस्सा ही सोने और चांदी में रखें।
- यदि कीमतों में और गिरावट आती है तो उसे खरीदारी के अवसर के रूप में देखा जा सकता है।
- फेडरल रिजर्व के फैसले और डॉलर की चाल पर नजर बनाए रखें।
- अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय दीर्घकालिक लक्ष्य को प्राथमिकता दें।

केवल कमजोरी के रूप में नहीं

सोने और चांदी में आई मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों और निवेशकों की सतर्कता का परिणाम है। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि लंबी अवधि में सोना अभी भी पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बना रहेगा। ऐसे में घबराहट में फैसले लेने के बजाय बाजार की दिशा, वैश्विक संकेतों और अपने निवेश लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाना अधिक समझदारी होगा। फिलहाल फेडरल रिजर्व के फैसले के बाद ही बुलियन बाजार की अगली बड़ी चाल स्पष्ट होने की संभावना है।

सही एसेट एलोकेशन और गलतियों से बचना है जरूरी

हर साल बहाने एसआईपी

विशेषज्ञों का सुझाव है कि जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी भी बढ़ानी चाहिए। यदि हर वर्ष 10 से 15 प्रतिशत की स्टेप-अप एसआईपी की जाए तो रिटायरमेंट के समय बनने वाला फंड काफी बड़ा हो सकता है।

हर वर्ष करें पोर्टफोलियो की समीक्षा

निवेशकों को वर्ष में कम से कम एक बार अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करनी चाहिए। यह देखना जरूरी है कि एसेट एलोकेशन तय लक्ष्य के अनुसार है या नहीं, वित्तीय लक्ष्य बदले हैं या नहीं और जोखिम उठाने की क्षमता में कोई बदलाव आया है या नहीं। यदि बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का अनुपात बदल गया है, तो रीबैलेंसिंग करनी चाहिए।

इन गलतियों से बचे

विशेषज्ञों के अनुसार 40 की उम्र में सबसे बड़ी गलती यह है कि लोग आय बढ़ने के बावजूद निवेश नहीं बढ़ाते। दूसरी बड़ी ग़लत रिटायरमेंट के लिए अलग रणनीति न बनाना है। कई लोग अपनी अधिकांश बचत अभी भी केवल फिक्स्ड डिपॉजिट जैसे पारंपरिक साधनों में रखते हैं, जो लंबे समय में महंगाई को मात देने में अवसर सक्षम नहीं होते। इसके अलावा कम से कम छह महीने के खर्च के बराबर इमरजेंसी फंड, पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और टर्म इंश्योरेंस भी होना चाहिए, ताकि किसी आपात स्थिति में लंबी अवधि के निवेश को बीच में न तोड़ना पड़े।

यह रखें ध्यान

40 वर्ष की उम्र निवेश की दौड़ में देर नहीं है। यदि सही एसेट एलोकेशन, नियमित एसआईपी, वार्षिक पोर्टफोलियो समीक्षा और वित्तीय लक्ष्यों के अनुरूप निवेश रणनीति अपनाई जाए, तो अगले 15-20 वर्षों में मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार किया जा सकता है। उम्र से अधिक महत्वपूर्ण है अनुशासित निवेश और समय पर सही निर्णय।

एसआईपी निवेशकों को लाभ

सिर्फ एकमुश्त निवेश ही नहीं, बल्कि नियमित निवेश यानी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) करने वाले निवेशकों को भी इन योजनाओं से अच्छा लाभ मिला। यदि किसी निवेशक ने पिछले 10 वर्षों तक हर माह 10,000 की एसआईपी की होती, तो कई योजनाओं में उसका निवेश 35 लाख से 38 लाख रुपये के बीच पहुंच जाता।

- एसआईपी प्रदर्शन में क्वांट मल्टी एसेट एलोकेशन फंड सबसे आगे रहा। इसके बाद बैंक ऑफ़ इंडिया मैयूफ़ैक्चरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निपॉन इंडिया स्मॉल कैप फंड, इनवेस्को इंडिया मिड कैप फंड, एडेलवाइस मिड कैप फंड, डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड, एलआईसी एमएफ़ इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर फंड, निपॉन इंडिया ग्रोथ मिड कैप फंड और एक्सिस स्मॉल कैप फंड का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा।



एक्सपेंस रेशियो क्यों है महत्वपूर्ण

म्यूचुअल फंड में एक्सपेंस रेशियो वह शुल्क होता है, जो फंड हाउस निवेशकों के पैसे के प्रबंधन के लिए वसूलता है। यदि यह शुल्क कम होता है, तो निवेश का बड़ा हिस्सा बाजार में लगा रहता है और लंबे समय में निवेशक को बेहतर नेट रिटर्न मिल सकता है। यही कारण है कि विशेषज्ञ निवेशकों को रिटर्न के साथ-साथ एक्सपेंस रेशियो पर भी ध्यान देने की सलाह देते हैं। इस सूची में शामिल सभी फंडों का एक्सपेंस रेशियो 1 प्रतिशत से कम है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत माना जाता है।

स्माल और मिडकैप फंडों का रहा दबदबा

टॉप 10 की सूची में सबसे अधिक फंड स्मॉल कैप और मिड कैप श्रेणी के हैं। इसका कारण यह है कि पिछले एक दशक में इन श्रेणियों की कई कंपनियों ने तेज विकास दर्ज किया, जिसका लाभ इन फंडों को मिला। हालांकि स्मॉल और मिडकैप फंडों में जोखिम भी अधिक होता है। बाजार में गिरावट आने पर इनमें उतार-चढ़ाव बड़े कैप फंडों की तुलना में ज्यादा देखा जाता है। इसलिए इनमें निवेश करने वालों को लंबी अवधि का नजरिया रखना चाहिए और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से घबराना नहीं चाहिए।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

वित्तीय सलाहकारों के अनुसार, पिछले 10 वर्षों का शानदार प्रदर्शन भविष्य में भी उसी तरह के रिटर्न की गारंटी नहीं देता। बाजार की स्थिति, ब्याज दरें, आर्थिक विकास और वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार फंडों का प्रदर्शन बदल सकता है। इसलिए निवेशकों को किसी एक फंड या एक ही श्रेणी पर पूरी तरह निर्भर रहने के बजाय विविधीकृत पोर्टफोलियो बनाना चाहिए। लंबी अवधि, अनुशासित निवेश और नियमित एसआईपी जैसी रणनीतियां बेहतर परिणाम देने में मदद कर सकती हैं।

निवेश से पहले रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले केवल पिछले रिटर्न पर भरोसा नहीं करना चाहिए। निवेशकों को फंड का निवेश उद्देश्य, पोर्टफोलियो, फंड मैनेजर का अनुभव, जोखिम स्तर, एक्सपेंस रेशियो और अपने वित्तीय लक्ष्य का आकलन करना चाहिए। इसके अलावा, निवेश को विभिन्न श्रेणियों में बांटकर जोखिम कम किया जा सकता है। नियमित अंतराल पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करना भी जरूरी है ताकि बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार निवेश रणनीति में आवश्यक बदलाव किए जा सकें।